आजादी की दुल्हन का श्रृंगार अभी तक बाकी है लिरिक्स

आजादी की दुल्हन का,
श्रृंगार अभी तक बाकी है,
है जंग हमारी खुद हमसे,
और जीत अभी तक बाकी है।bd।

हमने मंगल जीत लिया,
चंदा पे पानी सींच दिया,
गाड़ी को बदला तेजस से,
पर्वत पे फंदा खींच दिया,
पर भूखे मरते भारत का,
सम्मान अभी तक बाकी है,
है जंग हमारी खुद हमसे,
और जीत अभी तक बाकी है।bd।

पगडंडी को रोड़ बना,
जल थल की सीमा लांघ गए,
मरुधर में छाई हरियाली,
और कच्छ में छाई दिवाली,
पर मजदूरों के छालों पर,
अभी रोक लगाना बाकी है,
है जंग हमारी खुद हमसे,
और जीत अभी तक बाकी है।bd।

शिक्षा बढ़ी और ज्ञान बढा,
समृद्धि का संसार बना,
स्वस्थ बना परिवार सजन,
सम्मान का रुख प्रसस्थ हुआ,
पर स्वार्थी सर्पो के मुख से,
संविधान का लाना बाकी है,
है जंग हमारी खुद हमसे,
और जीत अभी तक बाकी है।bd।

देवी बनी है अबला अब,
कुपित् कुष्ट है शरमाया,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अधर्मी बना है धर्म धुरंदर,
डर दहशत में शरमाया,
ऋषियों की भूमि पे,
राम राज्य आना बाकी है,
है जंग हमारी खुद हमसे,
और जीत अभी तक बाकी है।bd।

आजादी की दुल्हन का,
श्रृंगार अभी तक बाकी है,
है जंग हमारी खुद हमसे,
और जीत अभी तक बाकी है।bd।

गायक / प्रेषक – कैलाश लाछुड़ा।
9829307315

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com